

Bullet train tunnel boring starts in July

ManthanK.Mehta
@timesofindia.com

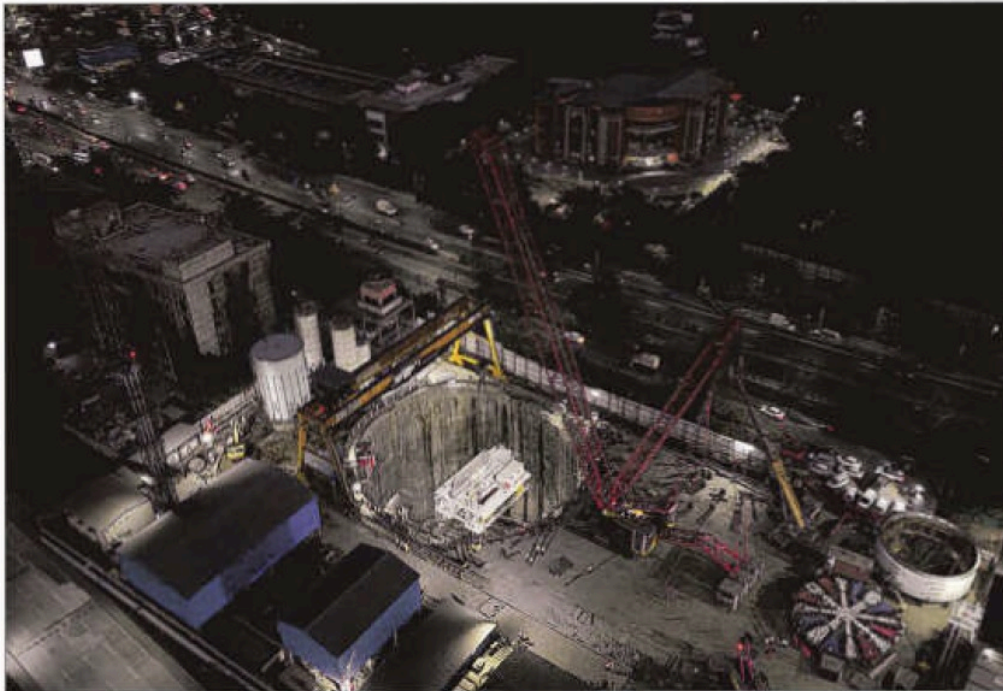
Mumbai: With tunnel boring for the Mumbai–Ahmedabad Bullet Train project's underground section set to begin in July 2026, the project on Friday marked another key milestone with the assembly of the second tunnel boring machine (TBM) at Sawli near Ghansoli, two days after the first machine's assembly began at Vikhroli.

The second TBM is being assembled at the Sawli shaft, 39 metres below ground level, from where it will tunnel towards Vikhroli. On Friday, a 190-metric-tonne gantry, measuring 18 metres long, 10 metres wide and 9 metres high, was lowered into the shaft. On Wednesday, the first TBM's assembly began at Vikhroli, where one of the

six main shield segments weighing around 170 metric tonnes was lowered to a depth of 56 metres, equivalent to a 20-storey building.

The two TBMs will excavate the 16-km tunnel stretch between BKC and Sawli, part of the 21-km underground section between BKC and Shilphata, which includes India's first 7-km undersea rail tunnel beneath Thane Creek. Of the total underground alignment, 5 km using the NATM method has already been completed, while the remaining 16 km will be executed using TBMs.

The single-tube tunnel, 13.1 metres in diameter, is designed to accommodate twin tracks and will run at depths ranging from 25 metres to 57 metres below ground, with the deepest point reaching 114 metres below Parsik Hill.



Engineers began assembling the massive machine late Friday night at Sawli, Ghansoli. EXPRESS

Second tunnel boring machine for Bullet train lowered at Ghansoli

Express News Service
Mumbai, April 11

JUST TWO days after the first tunnel boring machine (TBM) for the Maharashtra stretch of the Mumbai-Ahmedabad Bullet train corridor was lowered at Vikhroli, work on the second TBM has picked up pace at Ghansoli in Navi Mumbai.

Assembly of the massive machine began late Friday night at Sawli, Ghansoli, nearly

39 metres below ground, where engineers are working within tight space constraints. Officials expect the assembly to be completed by July, after which the TBM will begin tunnelling towards Vikhroli, covering a distance of about 9.7 km.

A significant portion of this stretch—around 7 km—will pass beneath the Thane Creek, marking India's first undersea rail tunnel. This section also forms the longest segment of

the 21-km tunnel being constructed between Bandra-Kurla Complex (BKC) and Shilphata for the high-speed rail corridor.

The 3,184-tonne TBM requires complex logistics for assembly. Four heavy gantry cranes are being deployed, with the first, weighing 190 metric tonnes, lowered on Saturday.

The TBM, manufactured by Herrenknecht is equipped with a cutter head measuring 13.6 metres in diameter.



TBM-2 Assembly Begins at Sawli for Bullet Tunnel

The assembly of the second Tunnel Boring Machine (TBM) for the Mumbai-Ahmedabad Bullet train has begun at Sawli, near Ghansoli, at a depth of 39mt. Once assembled, the TBM will tunnel from Sawli towards Vikhroli, forming part of the 16km underground stretch. This comes days after the first TBM began assembly at Vikhroli's Shaft 2, from where it will move towards the retrieval shaft at BKC.

टनल बोरिंग मशीन की असेंबली शुरू

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत ठाणे जिले के सावली क्षेत्र में दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की असेंबली का काम शुरू कर दिया गया है। यह मशीन जमीन से लगभग 39 मीटर नीचे स्थापित की जा रही है और यहां से विक्रोली की दिशा में सुरंग निर्माण का कार्य करेगी।

भारी उपकरणों के साथ जटिल तकनीकी प्रक्रिया

टीबीएम की असेंबली के तहत 190 मीट्रिक टन वजनी गैन्ट्री को जमीन के नीचे उतारा गया है। इसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है। दोनों टीबीएम में कुल चार गैन्ट्री लगाई जाएंगी, जिन्हें मुख्य शील्ड असेंबली और कटरहेड से जोड़ा जाएगा।

ये गैन्ट्री सुरंग निर्माण के दौरान खुदाई, जलरोधक व्यवस्था और टनल लाइनिंग जैसे कार्यों में अहम भूमिका निभाएंगी।



जुलाई 2026 से खुदाई शुरू होने की संभावना

सावली शाफ्ट में सीमित जगह होने के कारण टीबीएम की असेंबली बेहद सावधानी और योजना के साथ की जा रही है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, टीबीएम की प्रारंभिक ड्राइव जुलाई 2026 में शुरू होने की संभावना है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी और परिवहन व्यवस्था अधिक तेज व आधुनिक बनेगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए सावली में दूसरी TBM की असेंबली शुरू की गई



ठाणे मुंबई में (घनसोली के पास) सावली में जमीन के करीब 39 मीटर नीचे दूसरी टनल बोरिंगमशीन (TBM) की असेंबली शुरू हो गई है। ये TBM सावली से विक्रोली की तरफ अपना सफर शुरू करेगी। आज 190 मीट्रिक टन वजन वाली गैन्ट्री नीचे उतारी गई। इसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है। दोनों TBM में मिलाकर कुल 4 गैन्ट्री होंगी, जिनमें से शील्ड असेंबली और कटरहेड से जोड़ा जाएगा। ये गैन्ट्री TBM के साथ पूरे बने हुए टनल में आगे बढ़ती रहेंगी और खुदाई, वॉटरप्रूफिंग, टनल लाईनिंग सेगमेंट लगाने जैसे जरूरी कामों में मदद करेगी। सावली शाफ्ट में जगह कम होने की वजह से 39 मीटर नीचे TBM की असेंबली बहुत सोच-समझकर प्लान की गई है। TBM की शुरुआती ड्राइव जुलाई 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

बुलेट ट्रेन: सावली में दूसरी TBM की असेंबलिंग शुरू



■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई :** मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत घणसोली के पास सावली में दूसरी टनल बोरिंग मशीन (TBM) की असेंबली शुरू हो गई है। यह काम जमीन के करीब 39 मीटर नीचे किया जा रहा है। यह TBM सावली से विक्रोली की दिशा में सुरंग बनाने का काम करेगी।

शनिवार को इस मशीन के लिए 190 मीट्रिक टन वजन वाला बड़ा गैन्ट्री नीचे उतारा गया। इसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है। दोनों TBM में मिलाकर कुल 4 गैन्ट्री लगाए जाएंगे। ये मशीन के साथ आगे बढ़ते हुए सुरंग खोदने, पानी से सुरक्षा (वॉटरप्रूफिंग) और टनल के अंदर कंक्रीट के सेगमेंट लगाने में मदद करेंगे। सावली शाफ्ट में जगह कम होने के कारण 39 मीटर नीचे यह काम बहुत सावधानी से किया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार, इस TBM से सुरंग बनाने का काम जुलाई 2026 से शुरू होने की उम्मीद है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : सावली में दूसरी टीबीएम की असेंबली शुरू

अहमदाबाद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के तहत मुंबई के पास सावली (घनसोली के निकट) में दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की असेंबली शुरू हो गई है।

यह परियोजना के भूमिगत सेक्शन के निर्माण में एक अहम चरण माना जा रहा है। यह टीबीएम सावली शाफ्ट में जमीन से लगभग 39 मीटर नीचे असेंबली की जा रही है, जहां से इसे विखरोली की ओर सुरंग बनाने के लिए तैनात किया जाएगा। असेंबली प्रक्रिया के तहत 190 मीट्रिक टन वजनी एक विशाल गैन्ट्री को सफलतापूर्वक नीचे उतारा गया, जिसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10



मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, हर टीबीएम में कुल चार गैन्ट्री लगाए जाएंगे, जो मुख्य शील्ड और कटरहेड से जुड़े होते हैं। ये गैन्ट्री टनल खुदाई के दौरान मशीन के साथ ही चलते हैं और खुदाई, वॉटरप्रूफिंग तथा प्रीकास्ट टनल सेगमेंट लगाने जैसे अहम कार्यों में मदद करते हैं।

सावली शाफ्ट पर सीमित जगह के कारण इंजीनियरों ने अत्यंत सावधानी के साथ गहराई में क्रमबद्ध तरीके से

■ जुलाई से टनलिंग की तैयारी

उपकरणों की इंस्टॉलेशन की है। यहां से टनलिंग का काम जुलाई से शुरू होने की योजना है। इससे पहले, अहमदाबाद के मणिनगर इलाके में एक बड़ी इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की गई थी, जहां 1,360 मीट्रिक टन वजनी प्रीकास्ट पोर्टल बीम को चालू रेलवे लाइन के ऊपर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। 34 मीटर लंबे इस स्ट्रक्चर को करीब 3.5 घंटे में ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के दौरान 2,200 टन क्षमता वाले क्रॉलर क्रेन की मदद से लगाया गया। करीब 508 किलोमीटर लंबा यह बुलेट ट्रेन कॉरिडोर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स से अहमदाबाद के साबरमती तक फैला है।

बुलेट ट्रेन: जमीन के नीचे दूसरी टीबीएम की असेंबली शुरू

अहमदाबाद, (पंजाब केसरी): भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के तहत मुंबई के पास सावली (घनसोली के निकट) में दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की असेंबली शुरू हो गई है। यह परियोजना के भूमिगत सेक्शन के निर्माण में एक अहम चरण माना जा रहा है। यह टीबीएम सावली शाफ्ट में जमीन से लगभग 39 मीटर नीचे असेंबल की जा रही है, जहां से इसे विखरोली की ओर सुरंग बनाने के लिए तैनात किया जाएगा। असेंबली प्रक्रिया के तहत 190 मीट्रिक टन वजनी एक विशाल गैन्ट्री को सफलतापूर्वक नीचे उतारा गया,

जिसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, हर टीबीएम में कुल चार गैन्ट्री लगाए जाएंगे, जो मुख्य शील्ड और कटरहेड से जुड़े होते हैं। ये गैन्ट्री टनल खुदाई के दौरान मशीन के साथ ही चलते हैं और खुदाई, वॉटरप्रूफिंग तथा प्रीकास्ट टनल सेगमेंट लगाने जैसे अहम कार्यों में मदद करते हैं। सावली शाफ्ट पर सीमित जगह के कारण इंजीनियरों ने अत्यंत सावधानी के साथ गहराई में क्रमबद्ध तरीके से उपकरणों की इंस्टॉलेशन की है। यहां से टनलिंग का काम जुलाई से शुरू होने की योजना है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : सावली में दूसरी टीबीएम की असेंबली शुरू, जुलाई से टनलिंग की तैयारी

वैभव न्यूज ■ अहमदाबाद

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के तहत मुंबई के पास सावली (घनसोली के निकट) में दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की असेंबली शुरू हो गई है। यह परियोजना के भूमिगत सेक्शन के निर्माण में एक अहम चरण माना जा रहा है।

यह टीबीएम सावली शाफ्ट में जमीन से लगभग 39 मीटर नीचे असेंबल की जा रही है, जहां से इसे विखरोली की ओर सुरंग बनाने के लिए तैनात किया जाएगा। असेंबली प्रक्रिया के तहत 190 मीट्रिक टन वजनी एक



विशाल गैन्ट्री को सफलतापूर्वक नीचे उतारा गया, जिसकी लंबाई 18 मीटर, चौड़ाई 10 मीटर और ऊंचाई 9 मीटर है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, हर टीबीएम में कुल चार गैन्ट्री लगाए जाएंगे, जो

मुख्य शील्ड और कटरहेड से जुड़े होते हैं। ये गैन्ट्री टनल खुदाई के दौरान मशीन के साथ ही चलते हैं और खुदाई, वॉटरप्रूफिंग तथा प्रीकास्ट टनल सेगमेंट लगाने जैसे अहम कार्यों में मदद करते हैं।

Construction of second TBM begins at Savli near Ghansoli



घणसोलीजवळ सावली येथे दुसऱ्या टीबीएमच्या बांधणीला सुरुवात

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प

■ मुंबई : नवी मुंबईत (घणसोलीजवळ) सावली येथे जमिनीखाली सुमारे ३९ मीटर खोलीवर दुसऱ्या टनेल बोरिंग मशीन : टीबीएमची बांधणी सुरू करण्यात आली आहे. घणसोली येथील सावली ते विक्रोळीच्या दिशेने टीबीएम आपला प्रवास

सुरू करणार आहे.

शनिवारी सकाळी १९० मेट्रिक टन वजनाचा गॅण्ट्री खाली उतरवण्यात आला. याची लांबी १८ मीटर, रुंदी १० मीटर आणि उंची ९ मीटर आहे. दोन्ही टीबीएममध्ये मिळून एकूण ४ गॅण्ट्री असणार आहेत, जे मुख्य शिल्ड असेंब्ली आणि कटरहेडला जोडले जाणार आहे. हे गॅण्ट्री टीबीएमसोबत पूर्ण उत्खनन झालेल्या टनेलमध्ये पुढे जात राहतील आणि उत्खनन.

वॉटरप्रूफिंग, टनेल लाइनिंग सेगमेंट बसवणे अशा महत्त्वाच्या कामांना सपोर्ट करणार आहेत. सावली शाफ्टमध्ये जागा मर्यादित असल्यामुळे ३९ मीटर खाली टीबीएमची असेंब्ली अत्यंत काळजीपूर्वक प्लॅन करण्यात आली आहे. टीबीएमची सुरुवातीची ड्राइव्ह जुलै २०२६ मध्ये सुरू होण्याची अपेक्षा असल्याचे एनएचआरसीएलकडून सांगण्यात आले आहे.

Assembly of the second TBM in the Bullet Train project begins

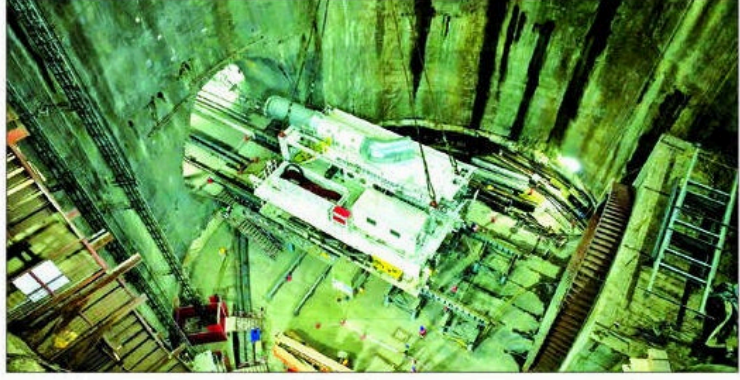
बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील दुसऱ्या टीबीएमच्या जुळणीला सुरुवात

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पहिल्या बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी मुंबईतील दुसऱ्या टीबीएमच्या जुळणीला घणसोलीजवळ सावली येथे सुरुवात करण्यात आली आहे. जमिनीपासून सुमारे ३९ मीटर खोलीवर हे टीबीएम तयार करण्यात येत असून ते सावलीहून विक्रोळीच्या दिशेने आपला प्रवास सुरू करणार आहे.

शनिवारी १९० मेट्रिक टन वजनाचा गॅन्ट्री खाली उतरवण्यात आला. याची लांबी १८ मीटर, रुंदी १० मीटर आणि उंची ९ मीटर आहे. दोन्ही टीबीएममध्ये मिळून एकूण ४ गॅन्ट्री असतील जे मुख्य शिल्ड असेंब्ली आणि कटरहेडला जोडले जातील. हे गॅन्ट्री टीबीएमसोबत पूर्ण उत्खनन झालेल्या बोगद्यामध्ये पुढे जात राहतील आणि उत्खनन, वॉटरप्रूफिंग, टनेल लाईनिंग सेगमेंट बसवणे अशा महत्त्वाच्या कामांसाठी उपयुक्त ठरतील. या टीबीएमद्वारे प्रारंभिक उत्खनन जुलैमध्ये सुरू होण्याची अपेक्षा आहे.

या प्रकल्पातील पहिल्या टीबीएमच्या



जुळणीला गुरुवारी विक्रोळी येथे सुरुवात झाली. बुलेट ट्रेनसाठी सिंगल ट्यूब टनेल बांधण्यात येत असून त्याचा व्यास १३.१ मीटर असेल. हे बोगदे जमिनीपासून २५ ते ५७ मीटर खोलवर आहेत. सर्वाधिक खोल बांधकाम हे ११४ मीटर पारसिक टेकडीच्या खाली आहे.

बीकेसी आणि शिळफाटादरम्यान २१ किमी

लांबीचा बोगदा बांधला जात आहे. यात भारतातील पहिल्या समुद्राखालील बोगद्याचा समावेश आहे. टाणे खाडीखाली ७ किमीचा हा बोगदा असेल. एकूण २१ किमीपैकी ५ किमी भुयारीकरण एनएटीएम पद्धतीने करण्यात आले असून उर्वरित १६ किमी टीबीएम वापरून केले जाणार आहे.

'Bullet' excavation from Ghansoli too

घणसोलीतूनही 'बुलेट'चे खोदकाम

म. टा. खास प्रतिनिधी, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम) मुंबईत दाखल झाल्यामुळे भुयारी खोदकामाला वेग आला आहे. घणसोलीजवळील सावली येथे दुसऱ्या टनेल बोरिंग मशीनच्या (टीबीएम) जोडणीचे काम सुरू करण्यात आले आहे. सावली ते विक्रोळी या दरम्यान भुयार खोदण्याचे काम या दुसऱ्या टीबीएमचे असणार आहे.

राज्यात बुलेट ट्रेन चालवण्यासाठी २१ किमी लांबीचा बोगदा तयार करण्यात येणार आहे. 'न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथड' (एनएटीएम) आणि टीबीएम या दोन पद्धतींनी बोगद्याचे काम पूर्ण करण्याचे नियोजन आहे. सद्यस्थितीत पाच किमी बोगद्याचे खोदकाम 'एनएटीएम' पद्धतीने पूर्ण झाले आहे. उर्वरित १६ किमीचे काम टीबीएमच्या मदतीने पूर्ण होणार आहे. विक्रोळीत पहिल्या टीबीएमची जोडणी यापूर्वीच सुरू झाली आहे. या टीबीएमच्या मदतीने वांद्रे कुर्ला

दुसऱ्या टीबीएमची
शाफ्टमध्ये जोडणी
सुरू

सावली येथील खोदकाम

- शाफ्टची खोली : ३९ मीटर
- खोदकामाचा वेग (प्रतिमिनिट) : ४९ मिमी



संकुलाच्या दिशेने भुयाराचे खोदकाम करण्यात येणार आहे.

जमिनीपासून तब्बल ३९ मीटर खोलीवर असलेल्या शाफ्टमध्ये दुसरे टीबीएम उतरवण्यास सुरुवात झाली आहे. याच ठिकाणाहून ही यंत्रणा विक्रोळीच्या दिशेने बोगदा खोदण्याचे काम करणार आहे. १९० मेट्रिक टन वजनाचा, १८ मीटर लांब, १० मीटर रुंद आणि नऊ मीटर उंचीच्या गॅन्ट्री शाफ्टमध्ये टीबीएमचे सुटे भाग उतरवण्यात आले आहेत. बुलेट ट्रेन

टीबीएम अत्यंत नियंत्रित आणि सुरक्षित पद्धतीने काम करण्यासाठी तयार करण्यात आल्या आहेत. खोदकामाचा वेग प्रतिमिनिट ४९ मिमीपर्यंत राहणार आहे.

मुख्य बोगद्याच्या खोदकामाची प्रत्यक्ष मोहीम ऑक्टोबर २०२६ पासून सुरू होण्याची शक्यता आहे. दरम्यान, आसपासच्या इमारती आणि पायाभूत सुविधांच्या सुरक्षेसाठी अत्याधुनिक मॉनिटरिंग उपकरणे मोठ्या प्रमाणावर बसवली जात आहेत.

Mumbai-Ahmedabad bullet train project gets momentum

Connection of TBM for tunneling

मुंबई - अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाला वेग

भुयारीकरणासाठी टीबीएमची जोडणी

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : मुंबई - अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी राज्यातील कामांना सावली येथे दुसऱ्या टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम) च्या जोडणीला सुरुवात झाली आहे. ही जोडणी जमिनीखाली सुमारे ३९ मीटर खोलीवर केली जात आहे. तसेच विक्रोळी येथे टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम) जोडणीचे काम सुरू झाले आहे.

मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेन हा ५०८ किमी लांबीचा प्रकल्प नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने हाती घेतला. या प्रकल्पाची गुजरातमधील कामे प्रगतीपथावर आहेत. तर, राज्यातही पायाभूत कामांनी वेग धरला आहे. बुलेट ट्रेन मार्गातील सर्व स्थानक जमिनीवर असतील. फक्त वांद्रे-कुर्ला संकुल हे स्थानक भूमिगत स्वरूपात बांधले जाणार आहे.

वांद्रे-कुर्ला संकुल ते

शीळफाट्यापर्यंत २१ किमीचा बोगदा खोदला जाणार आहे. बोगदा खोदण्यासाठी टीबीएम आणि न्यू ऑस्ट्रीयन टनेलिंग पद्धत अशा दोन्ही पद्धतीचा वापर केला जाईल. २१ किमी बोगदापैकी ७ किमीचा भाग ठाणे खाडीतील असेल. घणसोली ते शीळफाटा दरम्यानचा सुमारे पाच किमी अंतराचा बोगदान्यू ऑस्ट्रीयन टनेलिंग पद्धतीने (एनएटीएम) तयार केला. तर, या प्रकल्पातील घणसोली ते वांद्रे-कुर्ला संकुलपर्यंत १६ किमी लांबीचा बोगदा खोदण्याचे काम

टीबीएममार्फत केले जाईल.

टीबीएम सावलीहून विक्रोळीच्या दिशेने भुयारीकरण करण्यास सुरू करणार आहे. नुकताच १९० मेट्रिक टन वजनाचा गॅन्ट्री यशस्वीरित्या जमिनीखाली उतरवण्यात आला. या गॅन्ट्रीची लांबी १८ मीटर, रुंदी १० मीटर आणि उंची ९ मीटर इतकी आहे. या प्रकल्पात वापरल्या जाणाऱ्या दोन्ही टीबीएममध्ये मिळून एकूण चार गॅन्ट्री असून, ते मुख्य शिल्ड कटरहेडला जोडले जाणार आहेत. हे गॅन्ट्री टीबीएमने बोगदा

खणत पुढे सरकत राहतील.

सावली शापटमध्ये जागा मर्यादित असल्यामुळे ३९ मीटर खोलीवर टीबीएम जोडणी करणे हे एक आव्हानात्मक काम असून, त्यासाठी अत्यंत बारकाईने नियोजन करण्यात आले आहे.

दरम्यान, या टीबीएमची सुरुवातीची भुयारीकरणाची सुरुवात जुलै २०२६ पासून सुरू होण्याची अपेक्षा आहे, अशी माहिती नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने (एनएचएसआरसीएल) दिली.